PREPARATION OF MARKING SCHEME 2016

SOCIOLOGY (039)

Guidelines for Head Examiners and Evaluators

Instructions for Head Examiners –

1. All examiners should read the "marking scheme" carefully and discuss it with the Head Examiner.
2. The Marking Scheme carries only suggested value points for the answers. These are only guidelines and do not constitute the complete answer. The student can have their own expression and if the expression is correct, the marks be awarded accordingly
3. As per the orders of the Hon'ble Supreme Court, the candidates would now be permitted to obtain photocopy of the Answer Book on request on payment of the prescribed fee. All examiners / Head Examiners are once again reminded that they must ensure that evaluation is carried out strictly as per value points for each answer as given in the Marking Scheme.
4. All the Head Examiners/Examiners are instructed that while evaluating the answer scripts, if the answer is found to be totally incorrect, the (x) should be marked on the incorrect answer and awarded '0' marks.
5. Details of Question Paper :
   Practical Exam = 20 Marks
   Theory Exam= 80 Marks
   Questions 1 to 14 are of 2 marks each.
   Questions 15 to 21 are of 4 marks each.
   Questions 22 to 24 are of 6 marks each.
   Questions 25 is a passage having questions of 2 & 4 marks.

Instructions for Evaluators –

1. Evaluators have to be conscious of the fact that many of the topics are overlapping with text in history, political science & economics therefore the students may use information from the above to answer some questions. So these should be considered.

2. Evaluator must consider the students own language and expression while checking answer scripts in accordance with "value points", given in the marking scheme.

प्रश्न सं०	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
1	• जनसंख्या में आयु संरचना का अर्थ बताइए। • जनसंख्या की आयु संरचना से तात्पर्य है कि कुल जनसंख्या की तुलना में विभिन्न आयु वर्गों में व्यक्तियों का अनुपात क्या है।	2
2.	• अन्य पिछड़ा वर्ग को (ओ.बी.सी.) निर्धारित करने के दो मानदण्ड क्या हैं? • सामाजिक। • शैक्षिक।	1+1
3	नागरिक समाज का अर्थ बताइए। • उस व्यापक कार्य क्षेत्र को कहते हैं जो परिवार के निजि क्षेत्र से परे होता है, लेकिन राज्य और बाजार दोनों क्षेत्र से बाहर होता है। • नागरिक समाज सार्वजनिक अधिकार का गैर-राजकीय तथा गैर-बाजारी भाग होता है। • इस क्षेत्र में नागरिकों के समूह द्वारा बनाए गऐ स्वैच्छिक संघ, संगठन या संस्थाएँ, गैर-सरकारी संगठन, धार्मिक संगठन और अन्य प्रकार के सामूहिक तत्व भी शामिल होते हैं। • यह सक्रिय नागरिकता का क्षेत्र है यहाँ मिलकर व्यक्ति सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करते हैं।	1+1=2 कोई दो
4.	'सांप्रदायिकता' 'सांप्रदायिक' से किस प्रकार भिन्न है। • सांप्रदायिकता - धार्मिक पहचान पर आधारित आक्रामक उग्रवाद। • कम्यूनल - का अर्थ है व्यक्ति की बजाय समुदाय या सामूहिकता से जुड़ा हुआ।	1+1=2

5.	पाश्चिमीकरण से आप क्या समझते हैं ?	1+1=2
	• एम. एन. श्रीनिवास के अनुसार – यह भारतीय समाज और संस्कृति में, लगभग 150 सालों के ब्रिटिश शासन के परिणामस्वरूप आए परिवर्तन हैं। अथवा • पाश्चिमी संस्कृति के प्रभाव से समाज में आए हुए परिवर्तन – जो ब्रिटिश शासन के परिणाम स्वरूप भारतीय समाज में आए।	
6.	न्याय पंचायत के दो महत्वपूर्ण कार्य बताइए।	1+1=2
	• कुछ छोटे-मोटे दीवानी और आपराधिक मामलों की सुनवाई का अधिकार इनके पास होता है। • ये जुर्माना लगा तो सकते है लेकिन कोई सजा नहीं दे सकते। • ग्रामीण न्यायालय की तरह कार्य करते हैं। • आपसी विवादों में समझौता करने में सफल होते हैं। • उन व्यक्तियों को सजा दी जा सकती है जो स्त्रियों को दहेज के लिए प्रताड़ित करते हैं या हिंसात्मक कार्यवाही करते हैं।	कोई दो
7.	'घुमन्तु श्रमिक' का अर्थ बताइए।	
	• प्रवासी मजदूर वो होते हैं जो काम के लिए दूसरे क्षेत्रों में लम्बे समय तक के लिए चले जाते हैं। • प्रवसन करने वाले मजदूर मुख्यतः सूखा-ग्रस्त तथा कम उत्पादकता वाले क्षेत्रों से आते हैं।	

	• पुरुष अधिक संपन्न क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं जहाँ उन्हें अच्छी मजदूरी मिलती है। • मुख्यतः ईंट के भट्टों में, भवन निर्माण के कार्य में काम करने के लिए जाते हैं। • जान ब्रेमन ने 'घुम्मकड़ मजदूर' कहा है।	1+1=2 कोई 2
8.	विनिवेश का अर्थ क्या होता है?	2
	• सार्वजनिक क्षेत्र या सरकारी कम्पनियों का निजिकरण करना। • सरकार सार्वजनिक कम्पनियों के अपने शेयर को निजी क्षेत्र की कंपनियों को बेचने का प्रयास करती है।	कोई-1
9.	रेशम मार्ग ने (Silk Route) अतीत में लोगों को कैसे जोड़ा?	1+1=2
	• सदियों पहले भारत को उन महान सभ्यताओं से जोड़ा था जो चीन, फ्रांस, मिस्र और रोम में स्थित था। • भारत के लंबे अतीत के दौरान, विश्व के भिन्न-भिन्न भागों से लोग यहाँ आए थे, कभी व्यापारियों के रूप में, कभी विजेताओं के रूप में और कभी नए स्थान की तलाश में प्रवासी के रूप में और फिर वे यहाँ बस गए।	
10.	ऐसे दो परिवर्तनों के बारे में बताइये जिन्हें नव उदारवादी आर्थिक उपाय कहा जाता है।	1+1=2
	• भारतीय व्यापार को नियमित करने वाले नियमों और वित्तीय नियमनों को हटा देना। • सभी प्रमुख क्षेत्रों में सुधार की एक लंबी श्रृंखला देखी है। — कृषि, उद्योग,	

	व्यापार, विदेशी निवेश इत्यादि।	
11.	पारराष्ट्रीय निगम क्या होते हैं? • पारराष्ट्रीय निगम ऐसी कंपनियाँ होती हैं जो एक से अधिक देशों में अपने माल का उत्पादन करती हैं। • वे बड़े, विशाल अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठान भी हो सकते हैं (कोका-कोला, जनरल मोटर्स) या छोटे फर्म भी हो सकते हैं जिनके एक या दो कारखाने देश से बाहर होते हैं। फिर भी वे भूमण्डलीय बाजारों और सुनाफों की ओर अभिमुखित हैं।	2 कोई-1
12.	सामाजिक आंदोलन सामाजिक परिवर्तनों से कैसे भिन्न हैं? • सामाजिक परिवर्तन निरंतर रूप से आगे बढ़ता रहता है। सामाजिक आन्दोलन किसी विशिष्ट उद्देश्य की ओर निर्देशित होते हैं। • सामाजिक परिवर्तन की वृहद ऐतिहासिक प्रक्रियाएँ असंख्य व्यक्तियों तथा सामूहिक गतिविधियों का परिणाम है। सामाजिक आन्दोलन में निरंतर लंबा प्रयास व लोगों की गतिविधियाँ शामिल होती है।	2 कोई-1
13.	नए सामाजिक आंदोलनों के बनने के आवश्यक तत्व क्या है? • पहचान की राजनीति, सांस्कृतिक चिंताएँ, तथा अभिलाषाएँ सामाजिक आंदोलनों की रचना करने के आवश्यक तत्व है। • वर्ग की सीमाओं के आर-पार से भागीदारी को एक जुट करते है।	1+1=2
14.	दलित सामाजिक आंदोलन के दो महत्वपूर्ण आधार बताइए। • आत्म-सम्मान तथा समानता का संघर्ष।	

	• अस्पृश्यता उन्मूलन। • अस्पृश्यता द्वारा उपलक्षित कलंक को समाप्त करने का संघर्ष। (अन्य उपयुक्त बिन्दु)	1+1=2 कोई-2
15.	जन्म दर में गिरावट के बावजूद भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर बढ़ रही है। कारण समझाइए। • जन्म दर एक ऐसी सामाजिक – सांस्कृतिक घटना है जिसमें परिवर्तन अपेक्षाकृत धीमी गति से आता है। • भारत के राज्यों के बीच प्रजनन दरों के मामले में अत्यधिक भिन्नताएँ पाई जाती हैं। • शिक्षा और जागरूकता के स्तरों में भी कुछ मिलाकर वृद्धि हो जाती है तो फिर परिवार का आकार छोटा होने लगता है। • बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहाँ आज भी प्रजनन दर सबसे ऊपर है। (अन्य उपयुक्त बिन्दु)	1+1+1+1=4
	अथवा	
	संक्षेप में भारत की जनसांख्यिकी उपलब्धियों को समझाइए। • स्थूल जन्म दर घटी। • शिशु मृत्यु दर घटी। • युग्म संरक्षण दर चार गुना बढ़ी। • स्थूल मृत्यु दर घटी। • आयु संभाविता बढ़ी। • परिवार नियोजन की आवश्यकता और उसकी पद्धतियों के बारे में लोगों में जागरूकता उत्पन्न की। • कुल प्रजनन दर घट कर आधी हो गई।	1x4=4 कोई-4

16	समाज सुधारकों ने भारत में महिलाओं के उत्थान में कैसे सहायता की ?	
	• समाज सुधार आंदोलन राजा राम मोहन ने प्रारम्भ किए, राय ने सती प्रथा के विरुद्ध अभियान चलाया।	1×4=4 1+1+1+1
	• रानाडे ने विधवाओं के पुनर्विवाह के लिए आंदोलन चलाया।	
	• ज्योतिबा फुले ने एक साथ जातीय और लैंगिक अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाई।	
	• सर सैयद अहमद खान चाहते थे कि मुस्लिम लड़कियों को शिक्षित किया जाए।	
	• दयानन्द सरस्वती ने महिलाओं को शिक्षा देने का समर्थन किया।	
	• ताराबाई शिंदे ने अपने लेख में पुरुष प्रधान समाज द्वारा अपनाए गए दोहरे मापदंडों का विरोध किया।	
	• बेगम रोकैया ने अपने लेख में सुलताना ड्रीम लिखा।	
	(अन्य उचित बिन्दु)	कोई-4
17.	क्या सूचना का अधिकार अधिनियम भारतीयों के प्रश्नों के उत्तर देने के लिए राज्य को बाध्य करने का एक साधन हो सकता है।	
	• सूचनाधिकार अधिनियम 2005 में भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित किया गया जिसके तहत सरकारी अभिलेखों तक पहुँचने का अधिकार दिया गया है।	1×4=4 1+1+1+1
	• कोई भी व्यक्ति किसी 'सार्वजनिक प्राधिकरण' से सूचना के लिए अनुरोध कर सकता है तथा 30 दिन के भीतर उससे उत्तर देने की आशा की जाती है।	
	• प्रत्येक सार्वजनिक प्राधिकरण से यह अपेक्षा की जाती है कि वह व्यापक प्रसार के लिए अपने अभिलेखों को कम्प्यूटरबद्ध करे।	
	• सूचना प्रिंट आउट, फ्लॉपी, वीडियो कैसेट अथवा अन्य किसी भी इलेक्ट्रोनिक माध्यम से ले सकते हैं।	
	(कोई भी उपयुक्त उदाहरण / बिन्दु)	

18. अनुष्ठानों के भी पंथनिरपेक्ष आयाम होते हैं जो पंथनिरपेक्षता के लक्ष्यों से पृथक होते हैं। समझाइए। 1×4=4

1+1+1+1

- पुरुषों और महिलाओं को अवसर मिलता है कि वो अपने मित्रों से और अपनी उम्र से बड़े लोगों से भी खुलें-मिलें।
- अपनी संपत्ति का भी कपड़े, जेवर पहनकर उनका प्रदर्शन करें।
- पिछले कुछ दशकों से अनुष्ठानों के आर्थिक, राजनीतिक और प्रास्थिति आयामों पक्ष ज्यादा उभर कर सामने आए हैं। उदाहरणार्थ - शादी में बी. आई. पी मेहमान बनकर आए तो उस परिवार को समृद्ध समझा जाता है।
- स्थानीय समुदायों में ऐसे परिवारों को ऊँची नजर से देखा जाता है।

(अन्य उपयुक्त उदाहरण / बिन्दु)

19. हित समूह किसी कार्यकारी लोकतन्त्र का आवश्यक भाग कैसे है? विवेचना कीजिए। 1×4=4

1+1+1+1

- विभिन्न हित समूह राजनीतिक दलों को प्रभावित करने के लिए कार्य करते हैं।
- जब किसी समूह को लगता है कि उसके हित की बात नहीं की जा रही है, ये दबाव समूह बना लेते हैं और सरकार से अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं।
- राजनीतिक संगठन शासन, सत्ता पाना चाहते हैं।
- ऐसे संगठन तब तक आंदोलन में बने रहते हैं जब तक उन्हें मान्यता नहीं मिलती है।

अथवा

पंचायती राज, जन जातीय क्षेत्रों में किस सीमा तक सफल रहा है? समझाइए। 1×4=4

1+1+1+1

- बहुत से आदिवासी क्षेत्रों की प्रारंभिक स्तर के लोकतांत्रिक कार्यों की अपनी समृद्ध परंपरा रही है।
- खासी, जयंतिया और गैरोस आदिवासी जातियों की सैकड़ों साल पुरानी अपनी राजनीतिक संस्थाएँ रही है।

- ये राजनीतिक संस्थाएँ इतनी सुविकसित थीं कि ग्राम, वंश और राज्य के स्तर पर बड़ी कुशलता से कार्य करते रहे।
- पारंपरिक राजनीतिक प्रणाली में प्रत्येक वंश की अपनी परिषद होती है जिसे 'दरबार कुर' कहा कहा जाता है।
- आदिवासी राजनीतिक संस्थाएँ केवल महिलाओं के प्रति असहिष्णुता के लिए ही नहीं जानी जाती।
- उनमें स्तरीकरण के तत्व कहीं न कहीं उपस्थित हैं।

(अन्य उपयुक्त बिन्दु)

20 लैंड सीलिंग एक्ट अधिकांश राज्यों में प्रभावहीन साबित हुआ। कारण बताइए। — 1×4=4 (1+1+1+1)

- इसमें बहुत से ऐसे बचाव के रास्ते और युक्तियाँ थी।
- बेनामी बदल – रिश्तेदारों और नौकरों के नाम।
- अमीर किसानों ने अपनी पत्नी को वास्तव में तलाक दे दिया परन्तु उनके साथ ही रहते थे।
- जो कि एक अधिवासित महिला को अलग हिस्सा देने को अनुमति देता है।

21 नौकरी की शर्तों में संकुचन (कान्ट्रैक्शन) व्यवस्था को स्पष्ट कीजिए। — 1×4=4 (1+1+1+1)

- फैक्ट्री के कामगार ठेकेदार या काम देने वालों से (मिस्त्री) रोजगार पाते थे।
- बहुत सी फैक्ट्रियों में बदली कामगार भी होते हैं।
- दिहाड़ी मजदूरी अधिकतर दिखाई देती है।
- काम पाने वालों को कुछ पैसा उधार दिया जाता है (लोन) जो बाद में समायोजित (adjust) कर दिया जाता है।

22. औपनिवेशिक शासन के दौरान भारत में जाति संस्था किन तरीकों से मजबूत हुई। – चर्चा कीजिए। — 1×6=6 (1+1+1+1+1+1)

- ब्रिटिश प्रशासकों ने जाति व्यवस्था को जटिल तथ्यों को समझने के प्रयास शुरू किए।

- अत्यंत सुव्यवस्थित रीति से गहन सर्वेक्षण किए गए और उनके विषय में रिपोर्ट तैयार की गई।
- सूचना एकत्र करने का सबसे महत्वपूर्ण प्रयत्न जनगणना के माध्यम से किया गया।
- जब एक बार जाति की गणना प्रारम्भ हो गई और इसे अभिलिखित किया जाने लगा तो व्यवस्था कठोर हो गई।
- भूराजस्व व्यवस्थाओं और तत्संबंधी प्रबन्धों तथा कानूनों ने उच्च जातियों के रूढ़िगत अधिकारों को वैध मान्यता देने का कार्य किया।
- इस प्रकार 'अनुसूचित जातियाँ' और 'अनुसूचित जनजातियाँ' शब्द अस्तित्व में आए।

(विस्तृत व्याख्या)

अथवा

जनजातियों को उनके स्थायी एवं मौलिक लक्षणों के अनुसार वर्गीकृत किया गया है। समझाइए। 1x6=6

1+1+1+1+1+1

- स्थायी विशेषक
- व्यापक रूप से बिखरी हुई हैं— लोग।
- शारिरिक विशिष्टताएँ।
- भाषा के आधार पर वर्गीकरण।
- पारिस्थितिक आवासों— पहाड़ियाँ, वन, ग्रामीण मैदान इत्यादि।
- आकार की दृष्टि से— सबसे बड़ी जनजातियाँ- गोंड, भील, ओराँव इत्यादि, सबसे छोटी अंडमान द्वीपवासी।

अर्जित विशेषक – • आजीविका के आधार पर – जनजातियों को मधुआ, खाद्य संग्रहक, शिकार आखेटक आदि की श्रेणियों में बाँटा जा सकता है।

- हिंदू समाज में आत्मसात।
- हिंदू समाज के प्रति आंशिकवृत्ति।

(विस्तृत व्याख्या)

23. उदारीकरण निजीकरण असमानता के साथ संबंधित प्रतीत होते हैं। व्याख्या कीजिए। 1×6=6

- सरकार ने उदारीकरण की नीति को अपनाया।
- उद्योगों को खोलने के लिए अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) बाधित नहीं है।
- विनिवेश के कारण बहुत सी कम्पनियों ने स्थायी कर्मचारियों की संख्या में कटौती की।
- कुछ क्षेत्रों जैसे – सूचना तकनीकी, कृषि को फायदा मिला लेकिन कुछ क्षेत्रों जैसे – आटोमोबाइल्स, इलैक्ट्रोनिक्स विदेशी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाए।
- भारतीय कंपनियों को बहुदेशीय कंपनियों ने खरीद लिया।
- नियमित वेतन पाने वाले कर्मचारियों में कमी तथा अनुबंध पर काम करने वालों में बढ़ोत्तरी के कारण आर्थिक असमानताएँ बढ़ी।

24 मुद्रित माध्यम (प्रिंट मीडिया) पर भूमण्डलीकरण के प्रभाव की व्याख्या कीजिए। 1×6=6

- समाचार पत्रों की आश्चर्यजनक वृद्धि।
- साक्षर लोगों की संख्या में वृद्धि।

- उन्नत मुद्रण प्रौद्योगिकी, पूर्ण स्वचालित कार्य से कीमतें घटी।
- स्थानीय समाचारों और घटनाओं को शामिल किया
- नयी बाजारीकरण नीतियाँ।
- बड़ी संख्या में चमकदार पत्रिकाएँ भी बाजार में आ गई।

(अन्य उचित बिन्दु)
(विस्तृत व्याख्या)

25 अनुच्छेद : उपनिवेशवाद क्या है? 2

1. उपनिवेशवाद - एक देश का दूसरे देश पर शासन को उपनिवेशवाद कहते हैं।

अथवा

एक ऐसी विचार धारा जिसमें एक देश दूसरे देश को जीतकर अपना राज्य स्थापित करता है। उपनिवेश औपनिवेशिक राज्य के आधीन हो जाते हैं।

उपनिवेशवाद ने हमारे जीवन को कैसे प्रभावित किया है?

2. उपनिवेशवाद का हमारे जीवन पर प्रभाव -

- संसदीय व्यवस्था, विधि व्यवस्था।
- पुलिस, शिक्षा, प्रशासन इत्यादि।
- सड़क पर बाएँ ओर चलना।
- ब्रेड - आमलेट और कटलेट जैसी खाने की चीजें।
- कंपनी का नाम भी ब्रिटेन से संबद्ध है।
- स्कूलों में पाश्चात्य ढंग की नेक टाई, पोशाक।

- सूचनापट अँग्रेजी भाषा में।
- शिक्षा में बदलाव।
- जीवन शैली, खाने की आदतों में बदलाव, अँग्रेजी शिक्षा का ज्ञान।
- पूँजीवाद – सशक्त आर्थिक व्यवस्था।
- राजनीति, आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक बदलाव।

(अन्य उपयुक्त बिन्दु)

1+4
1+1+1+1